



IIM Raipur Signs Historic MoU with Chhattisgarh Police to Combat Human Trafficking

Raipur, December 4, 2024: The Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Chhattisgarh Police in an innovative and significant step towards combating human trafficking. This strategic alliance underscores the commitment of both institutions to addressing one of the most pressing social issues of our time.

With the goal of creating policies for its prevention and rehabilitation, the MoU represents a cooperative endeavour to carry out comprehensive research on a range of human trafficking-related topics. It highlights the necessity of an interdisciplinary approach, drawing from academic research and law enforcement expertise.

IIM Raipur will conduct in-depth study as part of this agreement to comprehend the underlying causes, socioeconomic effects, and rehabilitation requirements of victims of human trafficking. Through the development of comprehensive action plans and data-driven policies, the partnership will concentrate on reducing human trafficking in the state of Chhattisgarh. The results of the study will improve the efficacy of social intervention and law enforcement initiatives.

The important goals highlighted as a part of this MoU include determining the causes of Chhattisgarh's human trafficking; creating plans to stop survivors from becoming victims again; creating a strong policy to stop human trafficking and assist those who are impacted, especially women and children. These objectives emphasize the long-term sustainability of solutions, focusing on empowerment and reintegration.

Speaking at the event, officials underlined that the collaboration will safeguard and strengthen the most vulnerable groups present in society. They emphasized the importance of community involvement, awareness programs, and capacity-building initiatives to ensure that the impact of the partnership reaches all corners of the state.

The signing of the Memorandum of Understanding, which took place at the Chhattisgarh Police Headquarters, represents a significant advancement in the battle against human trafficking and reaffirms the state's dedication to social justice and human rights. It marks a pivotal moment in the collective effort to foster a safer, more equitable society and set a benchmark for future collaborations between academic institutions and law enforcement agencies.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across



various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: www.iimraipur.ac.in





भा.प्र.सं. रायपुर ने मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए

रायपुर, 4 दिसंबर 2024:

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) ने मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक अभिनव और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह रणनीतिक साझेदारी दोनों संस्थानों की इस गंभीर सामाजिक समस्या के समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस एमओयू का उद्देश्य मानव तस्करी की रोकथाम और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए नीतियों का निर्माण करना है। यह समझौता मानव तस्करी से संबंधित विषयों पर गहन शोध करने और अकादमिक अनुसंधान तथा कानून प्रवर्तन विशेषज्ञता को एकीकृत करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

इस समझौते के तहत, भा.प्र.सं. रायपुर मानव तस्करी के मूल कारणों, सामाजिक-आर्थिक प्रभावों और पीड़ितों की पुनर्वास आवश्यकताओं को समझने के लिए गहन अध्ययन करेगा। इस साझेदारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में मानव तस्करी को कम करने के लिए व्यापक कार्य योजनाओं और डेटा-आधारित नीतियों का विकास किया जाएगा। अध्ययन के परिणाम सामाजिक हस्तक्षेप और कानून प्रवर्तन पहलों की प्रभावशीलता को बढ़ाएंगे।

इस एमओयू के तहत मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं:

- छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी के कारणों की पहचान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि पुनर्वासित पीड़ित फिर से तस्करी का शिकार न बनें।



- मानव तस्करी को रोकने और विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए एक मजबूत नीति तैयार करना।

इन लक्ष्यों का उद्देश्य दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित करना है, जो पीड़ितों के सशक्तिकरण और पुनर्वास पर केंद्रित हैं।

समारोह के दौरान अधिकारियों ने कहा कि यह सहयोग समाज के सबसे कमजोर वर्गों की सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करेगा। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी, जागरूकता कार्यक्रमों और क्षमता-विकास पहलों की महत्ता पर जोर दिया, ताकि इस साझेदारी का प्रभाव राज्य के हर कोने तक पहुंचे।

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाते हैं। यह सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह प्रयास समाज को अधिक सुरक्षित और समान बनाने की सामूहिक कोशिश में एक ऐतिहासिक क्षण है और शैक्षणिक संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल और गतिशील नेतृत्व तैयार करने का एक प्रमुख केंद्र है। यह संस्थान अपने छात्रों को ज्ञान, अनुभव और महत्वपूर्ण संपर्कों से सुसज्जित करता है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

संस्थान में 50 से अधिक अनुभवी शिक्षाविद और देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी शामिल हैं। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने कई उल्लेखनीय रैंकिंग प्राप्त कीं, जिनमें शामिल हैं:

- एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान (2024)।



- सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान (2023)।
- आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान।

हम देश के सबसे तेज़ी से प्रगति करने वाले आईआईएम में से एक हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी **नया रायपुर** में स्थित हमारा अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है, जिससे एक प्रेरणादायक और अद्वितीय शैक्षिक वातावरण तैयार होता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: [www.iimraipur.ac.in](<http://www.iimraipur.ac.in>)